SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

NAME:_____ **SUBJECT: HINDI**

CLASS 7 DIV :_____ **Ls.10** खान पान की बदलती तस्वीर

Prepared By: Suman Yadav **Given date -**

Prepared date -25/10/2024

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास (निबंध से)

शब्दार्थ :संस्कृति- रीति-रिवाज, परंपरा। सीमित- संकुचित।ढाबा- रोटी की दुकान।एक जमाना- पुराना समय।अजनबी- अपरिचित। चाइनीज- चीन का बना हुआ। स्थानीय- निकटवर्ती या पास का। विज्ञापित- विज्ञापन में दिखाया हुआ। रसभरी- सरस। साहबी ठिकानों तक- धनी लोगों के घरों तक।कस्बा- छोटे नगर या गाँव। फुरसत- आराम। जटिल- मुश्किल । व्यंजन पुस्तिकाएँ-पकवान बनाने की विधि कराने वाली पुस्तकें। मिक्षित- मिला - जुला। सुयोग-सुन्दर अवसर। अंकुरित होना-निकलना, जमना। कभी-कभार-कुछ समय बाद | दुर्भाग्य -बदकिस्मती। दुर्गति होना- बुरी हालत होना। प्रीतिभोज - दावत। अवसर- मौका। जाँचना-गुण-दोष का पता करना। सकरात्मक- स्वीकृति

प्रश्न 1.खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है? अपने घर के उदाहरण देकर इसकी व्याख्या करें।

उत्तर-खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का मतलब है- स्थानीय अन्य प्रांतों तथा विदेशी व्यंजनों के खानपान का आनंद उठाना यानी स्थानीय व्यंजनों के खाने-पकाने में रुचि रखना, उसकी गुणवत्ता तथा स्वाद को बनाए रखना। इसके अलावे अपने पसंद के आधार पर एक-दूसरे प्रांत को खाने की चीजों को अपने भोज्य पदार्थों में शामिल किया है। जैसे आज दक्षिण भारत के व्यंजन इडली-डोसा, साँभर इत्यादि उत्तर भारत में चाव से खाए जाते हैं और उत्तर भारत के ढाबे के व्यंजन सभी जगह पाए जाते हैं। यहाँ तक पश्चिमी सभ्यता का व्यंजन बर्गर, नूडल्स का चलन भी बहुत बढ़ा है। हमारे घर में उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय दोनों प्रकार के व्यंजन तैयार होते हैं। मसलन मैं उत्तर भारतीय हूँ, हमारा भोजन रोटी-चावल दाल है लेकिन इन व्यंजनों से ज्यादा इडली साँभर, चावल, चने-राजमा, पूरी, आलू, बर्गर अधिक पसंद किए जाते हैं। यहाँ तक कि हम यह बाजार से ना लाकर घर पर ही बनाते हैं। इतना ही नहीं विदेशी व्यंजन भी बड़ी रुचि से खाते हैं। लेखक के अनुसार यही खानपान की मिश्रित संस्कृति है।

प्रश्न 2.खानपान में बदलाव के कौन से फ़ायदे हैं? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उत्तर-खानपान में बदलाव से निम्न फ़ायदे हैं-

एक प्रदेश की संस्कृति का दूसरे प्रदेश की संस्कृति से मिलना।

राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलना।

गृहिणियों व कामकाजी महिलाओं को जल्दी तैयार होने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ उपलब्ध होना।

बच्चों व बड़ों को मनचाहा भोजन मिलना।

देश-विदेश के व्यंजन मालूम होना।

स्वाद, स्वास्थ्य व सरसता के आधार पर भोजन का चयन कर पाना।

खानपान में बदलाव से होने वाले फ़ायदों के बावजूद लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित है क्योंकि उसका मानना है कि आज खानपान की मिश्रित संस्कृति को अपनाने से नुकसान भी हो रहे हैं जो निम्न रूप से हैं

स्थानीय व्यंजनों का चलन कम होता जा रहा है जिससे नई पीढी स्थानीय व्यंजनों के बारे में जानती ही नहीं

खाद्य पदार्थों में शुद्धता की कमी होती जा रही है।

उत्तर भारत के व्यंजनों का स्वरूप बदलता ही जा रहा है।

प्रश्न 3.खानपान के मामले में स्वाधीनता का क्या अर्थ है?

उत्तर-खानपान के मामले में स्वाधीनता का अर्थ है किसी विशेष स्थान के खाने-पीने का विशेष व्यंजन। जिसकी प्रसिद्धि दूर दूर तक हो। मसलन मुंबई की पाव भाजी, दिल्ली के छोले कुलचे, मथुरा के पेड़े व आगरे के पेठे, नमकीन आदि। पहले स्थानीय व्यंजनों का प्रचलन था। हर प्रदेश में किसी न किसी विशेष स्थान का कोई-न-कोई व्यंजन अवश्य प्रसिद्ध होता था। भले ही ये चीजें आज देश के किसी कोने में मिल जाएँगी लेकिन ये शहर वर्षों से इन चीजों के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन आज खानपान की मिश्रित संस्कृति ने लोगों को खाने-पीने के व्यंजनों में इतने विकल्प दे दिए हैं कि स्थानीय व्यंजन प्रायःलुप्त होते जा रहे हैं। आज की पीढ़ी तो कई व्यंजनों से भलीभाँति अवगत/परिचित भी नहीं है। दूसरी तरफ़ महँगाई बढ़ने के कारण इन व्यंजनों की गुणवत्ता में कमी होने से भी लोगों का रुझान इनकी ओर कम होता जा रहा है। हाँ, पाँच सितारा होटल में इन्हें 'एथनिक' कहकर परोसने लगे हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1. नीचे द्वंद्व समास के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए |

सीना-पिरोना लंबा-चौड़ा भला-बुरा कहा-सुनी चलना-फिरना घास-फूस

उत्तर-सीना-पिरोना – नेहा सीने-पिरोने की कला में काफ़ी अनुभवी है। भला-बुरा – मैंने उसे भला-बुरा कहा।

चलना-फिरना – चलना-फिरना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। लंबा-चौड़ा – धनीराम का व्यापार लंबा-चौड़ा है।

कहा-सुनी – सास-बहू में खूब कहा-सुनी हो गई। घास-फूस – उसका घर घास-फूस का बना है।

प्रश्न 2.कई बार एक शब्द सुनने या पढ़ने पर कोई और शब्द याद आ जाता है। आइए शब्दों की ऐसी कड़ी बनाएँ। नीचे शुरुआत की गई है। उसे आप आगे बढाइए। कक्षा में मौखिक सामूहिक गतिविधि के रूप में भी इसे दिया जा सकता है

इडली – दक्षिण – केरल – ओणम् – त्योहार – छुट्टी – आराम

उत्तर- आराम – कुर्सी, तरणताल – नहाना, नटखट – बालक, चंचल – बालिका।

SUB.TEACHER HOD CO ORDINATOR PRINCIPAL